स्काउट गाइड ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष-22, अंक-03, नवम्बर, 2021 (कुल पृष्ठ-28) मूल्यः ₹ 15/-

स्वागत व अभिनन्दन

माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं संगठन अध्यक्ष
श्री गोविन्द सिंह डोटासरा फ्लेग स्टीकर का विमोचन करते हुए

केबिनेट मंत्री श्री प्रतापसिंह खाचरियावास से फ्लेग स्टीकर का
अंशदान प्राप्त करते हुए बीकानेर मण्डल के अधिकारीगण

मीडिया कर्मियों को कार्य–योजना से अवगत
कराते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य
फ्लेग स्टीकर का विमोचन करते हुए

प्रशिक्षण केन्द्र रोपाड़ा, जयपुर पर आयोजित
बी.एस.टी.सी. ग्रुप शिविर के शिविरार्थी

राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा–जयपुर का अवलोकन
करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

जालोर, स्थानीय संघ चितलवाना का
द्वितीय तृतीय सोपान गाइड प्रशिक्षण शिविर

जिला कलेक्टर चूरू श्री सांवर मल वर्मा
स्काउट गाइड ग्रुप शिविर के शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 22 अंक : 03
नवम्बर, 2021

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस.
स्टेट चीफ कमिश्नर

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
सम्पादकीय	4
विशेष : फ्लेग स्टीकर विमोचन	5
गाँधी दर्शन कार्यक्रम आयोजन	6
राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी	6
11 सूत्री कार्य-योजना के निर्देश जारी	7
स्काउटिंग का अनुशासन युग – कन्हैयालाल शर्मा	8
बालचर आवासीय विद्यालय	10
राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान	11
नेशनल ग्रीन कोर : जैव विविधता कुछ रोचक तथ्य	11
गतिविधि दर्पण	12
नेशनल ग्रीन कोर : सड़क सुरक्षा एवं प्रदूषण नियन्त्रण कार्यशाला – अनिल कुमार गुप्ता	13
हमारा स्वास्थ्य : बीमारियों का घर : मोटा शरीर – स्काउट गाइड ज्योति डेस्क	14
बालचर शिक्षा – गोपाल लाल जोशी	16
श्रीनिवास रामानुजन गणित के नक्षत्र	18
भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस : फ्लेग स्टीकर विमोचन	20
दक्षता पदक – वन संरक्षक, ग्राम्य कार्यकर्ता	25
गतिविधि पंचाग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क		आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/-	संस्थागत शुल्क :150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं।
यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

गाँधी दर्शन कार्यक्रम

प्रिय कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर, स्काउटर गाइडर....आप सभी के साथ एक बार पुनः मैं इस सेवाभावी संगठन के माध्यम से प्रदेश में कार्य करने का अवसर प्राप्त कर सुखद अनुभूति का अहसास कर रहा हूँ। पिछले कुछ महिनों से कोरोना महामारी के चलते हम सभी काफी प्रभावित हुए हैं, परन्तु इस दौरान अपने राजस्थान प्रदेश ने अपनी कुशल व प्रभावी कार्य–प्रणाली के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान राष्ट्रीय पटल पर बनाई है।

आप सभी ने देखा व पढ़ा ही होगा कि प्रदेश में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ति पर आमजन के लिए अनेक लाभकारी कार्य एवं योजनाएं संचालित की जा रही है। गाँधी जी के सिद्धान्त व आदर्शों को आत्मसात कर राजस्थान की प्रदेश सरकार अपनी संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन के लिए प्रतिबद्धता के साथ ''प्रशासन गाँवों एवं शहरों के संग अभियान'' के द्वारा आमजन के कल्याण के लिए नियमित रूप से गाँव–गाँव शिविर लगाकर 21 विभागों से संबंधित आमजन के कार्य एवं योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन कर पात्र आशार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित किया जा रहा है। इन शिविरों में संगठन के स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा 'हैल्प डेस्क' लगाकर आमजन की सहायता की जा रही है, जो प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय कार्य है। मौका कोई भी हो...जगह कहीं भी हो...स्काउट गाइड अपनी सेवा से कहीं पीछे नहीं रहते और समाज में अपनी सेवाभावी छवि की अमिट छाप छोड़ते ही हैं।

बालक–बालिकाओं को गांधी जी के आदर्शों एवं सिद्धान्तों से अवगत कराने, उनके जीवन से परिचय कराने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में गांधी दर्शन कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय संघ स्तर से जिला स्तर तक की पद यात्राएं एवं जयपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, जिसमें सभी को बढ़–चढ़कर सहभागिता करनी है।

शुभकामनाओं सहित....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

सहभागिता में सावधानी

संपादकीय

नवम्बर माह में आप सभी ने स्काउट गाइड स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया और प्रदेश के विशिष्ट महानुभावों से फ्लेग स्टीकर का विमोचन कराया...एतदर्थ बधाई। हमारे स्काउट गाइड ने स्टीकर बिक्री के माध्यम से संगठन की पहचान और इसके कार्यों को आमजन के बीच जाकर प्रदर्शित किया और अपने सेवा कार्यों से अवगत कराया, जो सराहनीय है। निश्चित रूप से हमारा स्टीकर बिक्री का उद्देश्य भी यही है कि आमजन के बीच हमारी उपस्थिति दर्ज हो।

मैं सभी पाठकों एवं स्काउट गाइड संगठन से जुड़े स्काउट गाइड, स्काउटर गाइडर से आग्रह करता हूँ कि प्रशासन गाँवों एवं शहरों के संग कार्यक्रम में अधिकाधिक सेवा प्रदान करें और महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ति पर गाँधी दर्शन संदर्भित पद–यात्राओं में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता करें। जनवरी में जयपुर में भव्य गाँधी दर्शन कार्यक्रम आयोजित होना है, जिसमें प्रदेश के अधिक से अधिक स्काउट गाइड को सम्मिलित होना है।

आप सभी से आग्रह है कि प्रत्येक गतिविधि, कार्यक्रम व शिविर में सहभागिता के साथ ही सावधानी बरतें और कोरोना गाइडलाइन की पूर्ण पालना सुनिश्चित करें।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

फ्लेग स्टीकर विमोचन

माननीय मुख्यमंत्री ने किया स्टीकर विमोचन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, मण्डल मुख्यालय, जोधपुर द्वारा 09 नवम्बर, 2021 को माननीय मुख्यमंत्री श्रीमान अशोक गहलोत व संगठन के अध्यक्ष श्रीमान गोविंद सिंह डोटासरा के जोधपुर आगमन पर उनके करकमलों से फ्लेग स्टीकर का विमोचन करवाया गया।

स्थापना दिवस के मौके पर स्टीकर का विमोचन करते हुए मुख्यमंत्री महोदय ने बहुत–बहुत बधाई व शुभकामनाएं दी। विमोचन से पूर्व माननीय मुख्यमंत्री व अध्यक्ष महोदय का स्कार्फ पहनाकर स्काउट परंपरा से स्वागत अभिनंदन किया गया।

इस मौके पर संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग प्रेमचंद साखला, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) बाबूसिंह राजपुरोहित, सी.ओ. स्काउट छतर सिंह पिड़ियार सी.ओ. गाइड निशु कंवर जोधपुर, रोवर पुनीत, निखिल, जयश्वर प्रद्युमन, रेंजर जयश्री, कुसुम, खुशबू इत्यादि उपस्थित थे।

राज्य मुख्यायुक्त द्वारा स्टीकर विमोचन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर पर जिला मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड के 71 वें स्थापना दिवस को स्काउट गाइड झण्डा दिवस के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी फ्लेग स्टीकर का विमोचन किया एवं स्काउट गाइड आन्दोलन को अपनी शुभकामनाएँ देते हुए इसके उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। इससे पूर्व श्री आर्य को संगठन का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर स्टेट कमिश्नर (एनजीसी) एस.के. सोलंकी, राज्य सचिव आर.एन.भनोत, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) गोपाराम माली, राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) संतोष निर्वाण तथा जिला मुख्यालय, जयपुर के सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरणसिंह शेखावत, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा, सी.ओ शरद कुमार शर्मा, ऋतु शर्मा एवं रोवर उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्र में स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए फ्लेग स्टीकर से प्राप्त राशि से राज्य मुख्यालय जयपुर व राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली पर एक आरक्षित कोष तैयार किया जाता है, जिसका उपयोग संगठन की सेवाभावी गतिविधियों के साथ–साथ विभिन्न आपदाओं में जैसे–भूकम्प, बाढ, अग्नि, दुर्घटना आदि से पीड़ित व्यक्तियों को आर्थिक मदद प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

गाँधी दर्शन कार्यक्रम आयोजन

प्रशासन गाँवों व शहरों के संग में स्काउट गाइड देंगे सेवा

माननीय मुख्य सचिव एवं प्रदेश के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में मंगलवार 9 नवम्बर, 2021 को पूरे प्रदेश में गांधी दर्शन कार्यक्रम के आयोजन हेतु स्काउट अधिकारियों व शांति अहिंसा निदेशालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिये कि गांधी दर्शन कार्यक्रम के पूरे प्रदेश में सफल व भव्य आयोजन के लिए स्काउट एसोसिएशन प्रस्ताव बनाकर शीघ्र ही निदेशालय को भेजेगा।

इसके साथ ही श्री आर्य ने निर्देश दिये कि पूरे प्रदेश में जहां प्रशासन गांवों व शहरों के संग कार्यक्रम चल रहे हैं वहां स्काउट गाइड द्वारा सेवाएं दी जाये और 14 नवम्बर से प्रदेश स्तर पर इस कार्यक्रम के प्रत्येक शिविर में स्काउट गाइड की हैल्प डेस्क रखी जाये, जिसमें स्काउट गाइड पूरे दिन अपनी सेवाएं देकर आमजन को सहायता प्रदान करेंगे। बैठक में शांति अहिंसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा, स्काउट गाइड के राज्य संगठन आयुक्त गोपाराम माली, सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद जोशी, पूरण सिंह शेखावत आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जम्बूरी के राज्य में आयोजन के लिए भूमि चयन को लेकर बैठक

मुख्य सचिव एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी के राज्य में आयोजन के लिए भूमि के चयन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। सोमवार 15 नवम्बर को सचिवालय में आयोजित इस बैठक में श्री आर्य ने निर्देश दिए कि भूमि का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जंबूरी का स्थान शहर से कुछ दूरी पर ऐसी जगह हो, जहां प्राकृतिक और नैसर्गिक सौंदर्य के साथ स्काउट्स स्वयं सारा काम कर सकें।

श्री आर्य ने कहा कि हमारा उद्देश्य प्रदेश में ऐसी राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजित कराना है जो आने वाले समय में मिसाल बन सकें। उन्होंने कहा कि पूर्व में 1956 में दूसरी राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी जयपुर में हुई थी, अब 65 साल बाद राज्य को मौका मिला है ऐसे में ये जंबूरी राज्य के लिए प्रतिष्ठा का विषय भी है।

श्री आर्य ने कहा कि राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी एक वृहद आवासीय आयोजन है, जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 25 से 30 हजार स्काउट गाइड एवं उनके वयस्क लीडर्स की सहभागिता होगी। यह 7 दिवसीय आवासीय आयोजन 2022 में किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि इस गरिमामयी आयोजन में अति विशिष्ट अतिथियों के पधारने की संभावना है। इस वृहद आयोजन हेतु जयपुर, जोधपुर, पाली और अजमेर में शहर के आस–पास करीब 500 एकड़ समतल भूमि की आवश्यकता होगी। जिसमें संभागियों के लिए जलापूर्ति की उचित व्यवस्था हो, विद्युत व्यवस्था, आपात परिस्थितियों में अस्पताल, उचित सुरक्षा प्रबंध, निकटतम बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट हो।

बैठक में हेड ऑफ फोरेस्ट फोर्स श्री डी एन पांडेय, राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के स्टेट कमिश्नर श्री एस के सोलंकी सहित जयपुर, जोधपुर और अजमेर विकास प्राधिकरण के आयुक्त, पाली कलेक्टर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

11 सूत्री कार्य-योजना के निर्देश जारी

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के नवनिर्वाचित राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने रविवार 31 अक्टूबर, 2021 को अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पुनः राज्य स्काउट एवं गाइड की पहचान बनाएंगे। संगठन को शिखर पर पहुंचाकर प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करेंगे।

श्री निरंजन आर्य ने राज्य में स्काउट आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान करने के लिए 11 सूत्री कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। आर्य ने इस कार्य योजना के परिणामों के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के भी निर्देश देते हुए बताया कि स्काउट गतिविधियों में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट महत्व रखता है।

श्री आर्य ने बताया कि हमारा पहला उद्देश्य प्रदेश में राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजित कराना है। पूर्व में 1956 में दूसरी राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी जयपुर में हुई थी। माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने जम्बूरी के आयोजन के लिए 10 करोड़ रुपए के प्रावधान पर सहमति दी थी। राष्ट्रीय जम्बूरी के आयोजन के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जम्बूरी आयोजन की स्वीकृति हेतु राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को पत्र भेजा जा चुका है। स्वीकृति के साथ ही राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन संबंधी कार्यवाही प्रारम्भ की जावेगी।

श्री आर्य ने प्रत्येक स्थानीय संघ स्तर पर महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती पर जिला मुख्यालय तक गांधी दर्शन पद यात्राओं का आयोजन करने पर बल देते हुए कहा कि गांधी दर्शन और सिद्धान्तों की जानकारी प्रत्येक विद्यार्थी को होनी चाहिये। जयपुर में सैनिक स्कूल की तर्ज पर संचालित स्काउट आवासीय विद्यालय की सफलता को देखते हुए संभाग मुख्यालयों पर भी इनकी स्थापना की आवश्यकता बताई।

श्री आर्य ने कहा कि अब नामांकन में वृद्धि के साथ–साथ राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्राप्ति में भी प्रदेश की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने पर तेजी से कार्य करवाएंगे। हाल ही में कोरोना काल में स्काउट संगठन द्वारा काफी अच्छा कार्य किया गया, परन्तु इस विकट दौर में और भी अनेक क्षेत्रों में सेवा कार्यों का अवसर था, जहाँ ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

स्काउट गाइड जिला/मण्डल मुख्यालयों पर कार्मिकों की कमी के कारण स्काउट/गाइड गतिविधियाँ प्रभावित ना हो, इसके लिए श्री आर्य ने प्रत्येक जिला व मण्डल मुख्यालय के लिए एक लिपिक व एक सहायक कर्मचारी के पद स्वीकृत कराने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में करीब 11 लाख 50 हजार स्काउट गाइड पंजीकृत हैं और इसे 15 से 20 लाख तक बढ़ाये जाने का लक्ष्य तय करेंगे तथा ग्रामीण इलाकों के विद्यालयों तथा कॉलेजों में स्काउटिंग प्रारम्भ करने पर जोर दिया जायेगा। श्री आर्य ने बताया कि राज्य स्तर पर विशेष रूप से स्काउट/गाइड खेलों का आयोजन करवाया जायेगा।

अन्त में श्री आर्य ने कहा कि प्रदेश स्काउट गाइड संगठन राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम फहराता आया है और आगे भी यह सदैव अव्वल रहेगा। समय के साथ साधनों व तकनीक में आये परिवर्तन को अपनाने की दृष्टि से हमें भी स्काउटिंग को नये स्वरूप में स्थापित करना है साथ ही मूल संकल्पना को पुनः स्थापित करना है। मौलिक भूमिका में थोड़ा परिवर्तन अवश्य हुआ है, परन्तु बदली हुई परिस्थितियों में भी स्काउटिंग की मौलिकता को बनाये रखना जरूरी है।

इस अवसर पर स्टेट कमिश्नर (रोवर) निर्मल पंवार, स्टेट कमिश्नर (एनजीसी) एस.के. सोलंकी, पूर्व स्टेट कमिश्नर डॉ. पी.सी. जैन, पूर्व राज्य सचिव डॉ. एस.आर. जैन, राज्य सचिव रविनन्दन भनोत, राज्य संगठन आयुक्त गोपाराम माली एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्काउटिंग का अनुशासन युग परिवर्तन के दौर में संस्कार और संस्कृति का परिचायक

◆ **कन्हैयालाल शर्मा**
रामनगर विस्तार,
सोडाला, जयपुर

> जो स्काउट पर-उपकार करता है, नि:स्वार्थ भाव से सेवा करता है और अपने जीवन को खतरे में डालकर दूसरों का जीवन बचाता है यह वही वृक्ष है जिसे स्काउटिंग ने परिपक्व बनाया।

हर विद्यार्थी संस्कारवान, अनुशासनित, ज्ञानवान, विवेकशील संयमतापूर्ण व कर्तव्ययुक्त होकर अपनी मंजिल की ओर कदम बढ़ाये, मार्ग की बाधाओं को पार करता जाये और अनुशासित रहकर अपना स्वयं का, परिवार का, राष्ट्र का व देश का विकास करे यही समाज आशा रखता है स्काउटिंग से। इसके कठोर नियम शुरू से ही अपने अंतस के दुर्विकारों को नष्ट करते हैं और मन में एक नई स्फूर्ति, साहस व निर्भिकता पैदा करते हैं।

उस महान आत्मा को नमन किया जा सकता है जिसने युवाओं में संस्कारयुक्त बीज बोने का बीड़ा उठाया और उसे सिंचित करके इतना विशाल वृक्ष बनाया कि उसकी छाया में आने वाल हर राहगीर आराम कर सके।

"लार्ड बेडेन पॉवेल" अनसुना नाम नहीं है हर युवा इस नाम से परिचित है जिन्होंने पहले से ही आभास कर लिया था कि आने वाला समय भागमभाग और इतनी व्यस्तता का होग कि उसे शांति का मार्ग तो कहीं नहीं मिलेगा, अच्छाइयों, बुराइयों का ज्ञान नहीं हो पायेगा जिससे हर व्यक्ति कदम दर कदम नुकसान उठाये या मंजिल में बाधा ही बाधा हो। उन्होंने स्काउट नियमों को अपनाकर यह प्रमाण दिया कि स्फूर्ति, साहस, अनुशासन को जीवन में उतारकर उस हर मंजिल का प्राप्त किया जा सकता है जो असंभव है। यही नहीं आलस्य के लिये जितने योग, अभ्यास, कसरत, नियम, उपनियम विद्यार्थी के लिये लागू किये और विभिन्न गतिविधियों, एडवेंचरों के माध्यम से नई स्फूर्ति लाने की दिशा का ज्ञान कराया वह वास्तव में प्रशंसनीय है।

एक बीज को धरा मे बोते हैं तो उसके लिये एक गड्ढा तैयार कर उसमें बीज बोकर उसका संयमित व अनुशासित रूप से ध्यान रखकर पोषित किया जाता है। उसे पर्याप्त मात्रा में खाद, पानी, धूप व वायु सभी सामग्री उत्तम मात्रा में नियम दर नियम मिलती रहे तो वह पौधा पुष्पित, पल्लवित होकर एक विशाल वृक्ष बनता है जिसमें नये नये कोमल पत्ते, फूल व फल आदि अंकुरित होते रहते हैं और छाया भी प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं वृक्ष कई वर्षों तक राहगीर को फल, फूल व छाया तो प्रदान करते ही है अन्त समय में भी सूखे वृक्ष की डालियों से हम उसे जलाने के कार्य में लेते है और उसकी लकड़ियों से अपने मकानें में विभिन्न प्रकार की दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुएं तैयार करते हैं। उसी तरह मानव जीवन में विद्यार्थी वह बीज है जिसे अच्छी तरह अनुशासित, संस्कारित और स्फूर्तिदायक बनाकर उसका विकास किया जा सकता है विद्यार्थी जीवन को पोषित करने में जिन आयामों की आवश्यकता होती है उसमें कुछ तो माता–पिता, विद्यालय, मित्रजन पूरा करते है साथ ही स्काउटिंग भी उसे परिपक्व बनाती है और संस्कारित करती है।

आज इसका उदाहरण देंखे तो हम पायेंगे के सेवा सुश्रुषा करते हुए स्काउट हमें कहीं भी मिल जायेंगे जो हमें अभिवादन करने से नहीं चूकेंगे।

जो स्काउट पर–उपकार करता है, नि:स्वार्थ भाव से सेवा करता है और अपने जीवन को खतरे में डालकर दूसरों का जीवन बचाता है यह वही वृक्ष है जिसे स्काउटिंग ने परिपक्व बनाया।

अधिकतर सुनने में आता है कि जो विद्यार्थी स्काउट नाम से घबराता है वह कमजोर है और स्काउट के कठोर नियमों को वह सहन नहीं कर पाता। वह विद्यार्थी मंजिलों में पिछड़ता ही है हर स्थान पर वह कमजोर ही दिखता है। साथ ही उन विपरित परिस्थितियों का मुकाबला नहीं कर पाता। उस विद्यार्थी की कमजोरी उसे दोस्तों में, परिवाजनों में, समाज में, विभिन्न गतिविधियों में कहीं भी अव्वल नहीं आने देती है। कुछ

विद्यार्थी यह कहते हुए या बताते हुए पाये जाते हैं कि स्काउट में भर्ती होने में कई खर्चों का सामना करना पड़ता है और हम आर्थिक परिस्थितियों के बोझ तले स्काउटिंग में भर्ती नहीं हो पाते हैं तो यह उनका सोचना निरर्थर है, क्योंकि स्काउटिंग गरीब बच्चों के उत्थान के लिये व उनकी इस कमजोर मानसिकता को बदलने के लिये ही बनी है।

यदि आप में निष्ठा, लगन है और कुछ करने की चेष्टाएं व इच्छाएं जागृत होती है तो अपने विद्यालय में स्काउट मास्टर से कहें, वो आपको स्काउटिंग में भर्ती करायेगा और आपकी इच्छाओं को बल मिलेगा। मैंने यह बात यहां इसलिये बताई है कि स्काउटिंग उन कमजोर मानसिकता वाले विद्यार्थी जो स्काउटिंग में भर्ती होने से डरते है या फिर गरीब है उनके उत्थान के लिये है, उनके विकास के लिये, उनको संस्कारवान बनाने के लिये, उनमें भारतीय संस्कृति की धरोहर को जीवित बनाये रखने के लिये, एक नया जोश और स्फूर्ति उनमें भी बने, जो स्काउटिंग में भर्ती होने में संकोच करते हैं। इसलिए स्काउटिंग को अपनाने में देरी नहीं करनी चाहिए।

क्यों कि कठोरता एक ऐसा हथौड़ा है जो नया व नुकीला हथियार बनाता है। स्काउटिंग में वो ही कठोरता देखने को मिलेगी जो हमारे जीवन के लिये महत्वपूर्ण है। वह हथौड़ा ही हमें संस्कार, अनुशासन प्रदान करते है जो हमारी मंजिल में कदम कदम पर काम में आते है, हमें प्रशंसा प्रदान करते है, हमारे दुर्विकारों को दूर कर कमजोर लोगों से ऊँचा उठाते हैं।

देखा जाता है कि कुछ विद्यार्थियों में ऐसी लगन लगती है कि वे देश सेवा के लिये सेना में, पुलिस में भर्ती होते हैं और देश सेवा के लिये अपनी तैयारी करते है। ऐसी ही विशिष्ट व अनोखी सेवा यथा दूसरों की सेवा, परिवार सेवा, समाज सेवा, देश सेवा का अनुपम लाभ स्काउटिंग में रहकर भी हम उठा सकते हैं।

कमजोर विद्यार्थी सोचें

- क्या हम कमजोर हैं
- परीक्षा में कम अंक आते हैं
- गतिविधियों में भाग नहीं लेते
- जीवन आलस्य युक्त है

यदि इनका उत्तर हाँ में है और इनसे छुटकारा पाने के लिए कुछ करने की इच्छाएँ है तो स्काउटिंग में भर्ती हों।

स्काउटर/गाइडर क्या करें

- कमजोर विद्यार्थियों को स्काउटिंग में भर्ती करवायें
- गरीब तबके के विद्यार्थियों को अहसास करवायें कि इसमें ज्यादा कठोरता नहीं है, ना ही ज्यादा खर्चा होता है और जीवन मधुर, विश्वासयुक्त बनता है।
- उन विद्यार्थियों की इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करवायें जिनमें सेवा करने का दम है और ऐसे विद्यार्थियों को स्काउटिंग से जोड़ें
- वो विद्यार्थी जो परिवार, समाज के लिये कलंक बना है उसे अनुशासित करने का संकल्प लेकर स्काउटिंग में भर्ती करवायें।

माता-पिता क्या करें

- आपका बच्चा कमजोर, आलस्य, प्रमादयुक्त ही न रह जायें इसलिये उसे स्काउटिंग में भर्ती करवायें व स्काउट गाइड ज्योति मासिक पत्रिका बच्चे के लिये मंगवाये
- बच्चे में कर्मठता के गुण पैदा करें, ताकि उसमें कुछ नया करने की इच्छा प्रबल हो।
- बच्चे को गरीबी, आर्थिक तंगी का अहसास न होने दें और जरूरत पड़े तो संगठनों से परामर्श लें और विद्यार्थी को आर्थिक लाभ दिलवाने की कोशिश करें।

शिक्षक क्या करें

- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें जो आर्थिक, मानसिक रूप से कमजोर है उन्हें हर संभव मदद दिलवाने व मानसिकता को उच्च करने का प्रयास करें।

नई नियुक्तियाँ

राज्य संगठन के माननीय राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने आदेश जारी कर निम्न को राज्य संगठन के निम्नांकित पदों पर नियुक्ति प्रदान की है-

1. **राज्य कोषाध्यक्ष** — **श्री देवकी नन्दन शर्मा,** वित्तीय सलाहकार, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर
2. **राज्य सचिव** — **डॉ. पी.सी. जैन,** पूर्व राज्य आयुक्त (हैडक्वार्टर्स)
3. **संयुक्त राज्य सचिव** — **श्री महेन्द्र सिंह राठौड़,** पूर्व राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट)

राज्य संगठन की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.....

संपादक

नव-नियुक्त राज्य कोषाध्यक्ष एवं राज्य सचिव का स्वागत करते राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) गोपाराम माली

बालचर आवासीय विद्यालय

राजस्थान सरकार बजट घोषणा – 2019 के बिन्दु संख्या 30 की अनुपालना में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। उक्त विद्यालय में वर्तमान कक्षा – 6 से 8 तक प्रत्येक कक्षा में 50–50 छात्र अध्ययनरत है तथा अध्यापन अंग्रेजी माध्यम में करवाया जा रहा है, जिसमें समस्त प्रकार की सुविधा राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क है। विद्यालय में राजस्थान प्रदेश के छात्रों को प्रतिवर्ष कक्षा 6 में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

विद्यालय में प्रवेशित छात्रों के पोशाक, हॉस्टल, भोजन, स्टेशनरी, खेल सामग्री आदि समस्त प्रकार की व्यवस्था निःशुल्क है। उक्त छात्रों की दैनिक दिनचर्या स्काउट पद्धति के अनुसार प्रातः 05.00 बजे से प्रारम्भ होकर रात्रि 09.30 बजे तक संचालित रहती है।

जैसा कि नाम से प्रतीत हो रहा है कि यह आवासीय विद्यालय सह–शैक्षिक गतिविधि 'स्काउटिंग' में नियमित रूप से छात्रों को सहभागिता कराते हुए उनको मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने में अपना दायित्व निभा रहा है। सही शिक्षा ग्रहण करने में प्रकृति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, राजस्थान का अधिकांश वर्ग हिन्दी भाषी है परन्तु वैश्विक स्तर पर अंग्रेजी की आवश्यकता को नकारा नहीं जा सकता। इसलिए हमारा प्रयास है कि छात्रों को अंग्रेजी माध्यम के साथ प्राकृतिक वातावरण में अध्ययन करने का अवसर प्रदान किया जाये।

गुरूकुल की परिपाटी से नैसर्गिक वातावरण में बालक को ''बुद्धिमता व चरित्र'' सच्ची शिक्षा के इन दोनों लक्ष्यों की प्राप्ति से उन्नति की राह पर अग्रसर कराना 'बालचर आवासीय विद्यालय' का मूल उद्देश्य है।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान

सीकर के पुरूषोत्तम स्वामी एवं धौलपुर के श्री मनोज शर्मा राज्य स्तर पर सम्मानित

जयपुर के बिड़ला ओडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह–2021 में सीकर के श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के जीव विज्ञान व्याख्याता एवं स्काउट यूनिट लीडर श्री पुरूषोत्तम स्वामी एवं धौलपुर के सैपऊ उपखण्ड के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बरखेड़ा में कार्यरत प्रधानाध्यापक एवं स्काउट मास्टर श्री मनोज शर्मा को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया।

शिक्षक समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, शिक्षा राज्य मंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष गर्ग, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी के सान्निध्य में सम्पन्न कार्यक्रम में श्री स्वामी एवं श्री शर्मा को यह सम्मान शिक्षा एवं स्काउटिंग में उत्कृष्ट सेवा करने पर दिया गया।

राज्य संगठन की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं....

नेशनल ग्रीन कोर

जैव विविधता कुछ रोचक तथ्य

1. पृथ्वी पर अनुमानतः 1.4 करोड़ जीव प्रजातियाँ है जिनमें से अभी तक केवल 17.5 लाख प्रजातियों की ही पहचान हो पाई है। इनमें से 3.42 लाख वनस्पति प्रजातियाँ तथा 14.08 लाख जन्तु प्रजातियाँ है।
2. विश्व की कुल जीव प्रजातियों की लगभग 70 प्रतिशत प्रजातियाँ, 12 देशों में पाई जाती हैं– ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, कोलम्बिया, कोस्टारिका, कांगो, इक्वेडोर, भारत, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मैक्सिको एवं पेरू।
3. भारत में अब तक लगभग 45,500 वनस्पति प्रजातियों तथा 91,000 जन्तु प्रजातियों की पहचान हो चुकी है।
4. विश्व में आज लगभग 4,000 जन्तु प्रजातियाँ तथा 60,000 वनस्पति प्रजातियाँ विलुप्ति के करार पर है। आज पृथ्वी पर प्रत्येक 8 में से एक चिड़िया, प्रत्येक 4 में से एक स्तनपायी, प्रत्येक 4 में से एक कोणधारी वृक्ष, प्रत्येक 3 में से एक उभयचर, प्रत्येक 7 में से 6 कछुए, प्रत्येक 4 में से 3 मछली प्रजातियाँ विलुप्त होने का खतरा झेल रही है।
5. भारत से वर्ष 1900 में जेरडॉन कॉर्सर पक्षी, 1935 में गुलाबी सिर वाली बतख तथा वर्ष 1946 में चीता पूर्ण रूप से विलुप्त हो चुके हैं।
6. विश्व के लगभग 60 प्रतिशत लोग औषधियों के लिए पौधों पर निर्भर करते हैं। 70,000 से अधिक पौधों की प्रजातियाँ औषधि के लिए उपयोग में ली जाती है।
7. वर्तमान में जैव प्रजातियों की विलुप्तता दर प्राकृतिक दर से 1000 गुणा अधिक हैं।
8. पृथ्वी पर मनुष्य की खाद्य आवश्यकताओं की लगभग 50 प्रतिशत पूर्ति केवल तीन प्रजातियों गेंहू, चावल व मक्का से होती है, जबकि पृथ्वी पर 30,000 वनस्पति प्रजातियाँ खाने योग्य है।
9. आई.यू.सी.एन. के अनुसार पारिस्थितिकीय क्षेत्रों से हमें प्रतिवर्ष 33 लाख करोड़ डॉलर मूल्य के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होते हैं।

गतिविधि दर्पण

मण्डल, जिला एवं स्थानीय संघ स्तर पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों, दिवसों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

तृतीय सोपान प्रशिक्षण व जांच शिविर हुआ आयोजित

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, आदर्श नगर, अजमेर के तत्वावधान में 25 अक्टूबर 2021 से तृतीय सोपान प्रशिक्षण एवम जांच शिविर का शुभारंभ रामकृष्ण मिशन आदर्श नगर अजमेर के प्रांगण में मिशन संचालक श्री सुरेश जी महाराज द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। स्थानीय संघ सचिव श्री महेश चंद शर्मा ने बताया

कि उक्त प्रशिक्षण शिविर में स्थानीय संघ क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के करीब 60 स्काउट गाइड ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न कला कौशल यथा प्राथमिक सहायता, पायनियरिंग, ध्वज शिष्टाचार, अनुशासन, कम्पास व दिशा ज्ञान आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में रमन प्रकाश गौतम, आरती बालचंदानी, मंजू मेघवंशी, अनुराग काबरा व दिवाली टंडन आदि ने अपनी सेवाएं दी।

रेस पब्लिक स्कूल में स्काउटिंग प्रारम्भ

◈ झालावाड़ की आनन्द विहार कॉलोनी स्थित रेस पब्लिक स्कूल में स्काउटिंग के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर विद्यालय प्रभारी व पूर्व फर्स्ट क्लास स्काउट मनोज शर्मा ने स्काउटिंग की महत्ता को समझते हुए अपने विद्यालय में स्काउटिंग का शुभारम्भ किया। कृष्ण मोहन देवड़ा जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) के नेतृत्व में स्काउटिंग के संस्थापक लार्ड बेडेन पावेल की तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर बच्चों को श्री देवडा ने कब प्रार्थना व कब के गीतों से लाभान्वित किया। साथ ही सी.ओ. स्काउट रामकृष्ण शर्मा ने बताया कि जो कब बालक चतुर्थ चरण की परीक्षा पास कर लेता है वह बालक कक्षा 6 से 8 तक निःशुल्क जयपुर जगतपुरा स्काउट विद्यालय में प्रवेश पा सकता है, जहां स्काउट की शिक्षा के साथ साथ रहना खाना यूनिफार्म सभी निःशुल्क है। इस अवसर पर दिनेश शर्मा प्राचार्य आदर्श विद्या मंदिर ने भी सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में नरेंद्र सिंह, शिखा राठौर, हेमलता गौतम, रचना शर्मा व विद्यालय के सभी बच्चों ने सहभागिता की।

गांधी हेल्प डेस्क पर स्काउट्स ने दी सेवाएं

◈ राजसमंद जिला परिक्षेत्र के कुंभलगढ़ उपखंड में स्थित ग्राम कुंचौली में प्रशासन गांव के संग अभियान के शिविर में सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) राकेश टॉक के नेतृत्व में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तहत गांधी हेल्प डेस्क की स्थापना कर स्काउट्स ने सेवाएं दी। शिविर में स्काउट्स ने गांधी हेल्प डेस्क पर सेवा देते हुए लोगों को आवश्यक जानकारी प्रदान करने के साथ वृद्धजनों की सेवा, दिव्यांग हेतु ट्राई साइकिल वितरण, कृषि विभाग के उपकरण वितरण, छात्रों व अन्य ग्रामीणों के जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पेंशन प्रकरण तथा अन्य विभागों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लिखने व फॉर्म भरवाने का कार्य करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से उनका संपर्क करवाने का कार्य शारीरिक शिक्षक एवं जिला प्रशिक्षण

आयुक्त (स्काउट) राकेश टॉक व सहायक स्काउटर दल्ला राम भील के नेतृत्व में किया गया। प्रशासन गांव के संग अभियान शिविर के सभी राजकीय अधिकारियों को स्काउट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर व कलर पार्टी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी जयपाल सिंह राठौड़ ने स्काउट प्रभारी राकेश टांक व दल्ला राम भील सहित सभी स्काउट्स को शिविर में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान करते हुए कुंचौली के स्काउट्स द्वारा निःस्वार्थ भाव से शिविर में की गई सेवा के लिए सभी स्काउट्स को धन्यवाद दिया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने मुक्त कंठ से स्काउट्स द्वारा कि गई सेवाओं की सराहना की।

नेशनल ग्रीन कोर

सड़क सुरक्षा एवं प्रदूषण नियन्त्रण कार्यशाला

अनिल कुमार गुप्ता
करौली

जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों पर सड़क सुरक्षा एवं प्रदूषण नियन्त्रण ऑनलाईन कार्यशालाओं के आयोजन के तहत आयोजित ऑनलाईन संगोष्ठी में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गनपत लाल मीना ने संगोष्ठी में उपस्थित इको क्लब प्रभारियों को सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए निर्देशित किया कि वे स्काउट गाइड के माध्यम से अपने विद्यालय के अन्य बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी प्रदान करवाये एवं सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने हेतु छात्र छात्राओं को प्रेरित करें।

सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश के समस्त जिलों में ऑनलाईन सड़क सुरक्षा एवं प्रदूषण नियन्त्रण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमे करौली जिले में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, गनपत लाल मीना ने जिले के सभी इको क्लब प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विद्यालय के स्काउट गाइड को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी प्रदान करें एवं उनके माध्यम से विद्यालय के अन्य बालक बालिकाओं को उनके परिजनों एवं ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा नियमों की पालना हेतु प्रेरित करें। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि वाहन चलाने वाले व्यक्ति को अपने साथ–साथ दूसरे वाहन चालक का भी ध्यान रखना होता है। गलतियाँ दूसरे वाहन चालक करे तो भी अपने आप को बचाना होता है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट लगाये एवं चौपहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, साथ ही सड़क पर लिखे हुए संकेतों की भी पालन करे।

कार्यशाला में प्रदूषण नियन्त्रण विषय पर वार्ता प्रदान करते हुए प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीप का पुरा श्रीमती पूनम पाठक ने कहा कि प्रदूषण का प्रमुख कारक मानव ही है। मानव के द्वारा ही समस्त प्रदूषण फैलाया जाता है। यदि हम यह विचार करें कि हम प्रदूषण ना फैलाये एवं जो प्रदूषण फैल चुका है उसको दूर करने के प्रयास किये जाये तो मानव सभ्यता को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आज पॉलीथिन पृथ्वी पर प्रदूषण का बहुत बड़ा स्त्रोत है, जिसके खाने से गाय एवं अन्य जानवर मर जाते है। बारिश के दौरान यह जानलेवा हो जाती है एवं पॉलीथिन जहाँ पर हो जाती है यहा पर जमीन में पानी अन्दर नहीं जा सकता हमें प्रयास करना होगा कि इस पॉलीथिन का कम से कम प्रयोग करें एवं घर से कपड़े का थैला ले जाने का प्रयास करें। ऐसी ही आदत हम अपने विद्यालयों के बच्चों में डालने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण कम से कम प्रदुषित हो। उन्होंने विद्यालयों में कम से इको क्लब वाटिका बनाने हेतु इको क्लब प्रभारियों को प्रेरित किया। ऑनलाईन संगोष्ठी में स्थानीय संघ के सचिव मुकेश लहकोडिया ने भी सड़क सुरक्षा एवं प्रदूषण नियन्त्रण पर अपने विचार रखे। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता कार्यशाला में उपस्थित रहे तथा उसका संचालन किया।

हमारा स्वास्थ्य

बीमारियों का घर : मोटा शरीर

स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

नियमित एक्सरसाइज मोटापा दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। व्यायाम न केवल आपका वजन कम करता है अपितु आपके स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। विवेकपूर्ण डायटिंग के साथ व्यायाम करके आप आसानी से अपने शरीर का वजन घटा सकते हैं।

मोटापे का मतलब केवल एक बेडौल और थुलथुल शरीर ही नहीं है, बल्कि खुद को लोगों के उपहास का केन्द्र बनाना भी है। अत्यधित भावुक लोग अकसर लोगों की टिप्पणियों को मन से लगा लेते हैं तथा हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। यही हीन भावना अनेक मानसिक रोगों को भी जन्म देती है। वहीं डॉक्टरों के अनुसार मोटा शरीर अनेक बीमारियों का पिटारा होता है। उच्च रक्तचाप, ब्लड कोलेस्ट्रॉल अधिक होना और हृदय रोग जैसी समस्याओं के लिए मोटापा एक खुला निमंत्रण है। दूसरी ओर मोटा व्यक्ति प्रायः पराश्रित हो जाता है क्योंकि थोडा–सा ही काम करने पर उनकी सांस फूलने लगती है। कुछ लोगों को श्वसन तंत्र में संक्रमण और हर्निया जैसी बीमारियां भी हो जाती है।

आजकल अधिकतर लोग मोटापा दूर करने के लिए डायटिंग का सहारा लेते हैं, बिना यह जाने कि डायटिंग उनके लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक। जल्दी से पतला होने की ललक में अकसर लोग किसी भी चीज का त्याग करने को तैयार हो जाते हैं तो उनके लिए जानलेवा भी हो सकता है। यों भी विभिन्न शोध बताते हैं कि डायटिंग करते हुए जब हम वजन कम करने की कोशिशि करते हैं तो उसका हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। डायटिंग करने का एक मुख्य परिणाम रक्तचाप कम होना होता है। यही नहीं प्रायः यह भी देखा गया है कि भूखे रहने के बाद जब भी हम कुछ खाते हैं तो वह हमारी सामान्य खुराक से अधिक होता है। इसलिए बिना सोचे–समझे की गई डायटिंग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ही होती है।

नियमित एक्सरसाइज मोटापा दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। व्यायाम न केवल आपका वजन कम करता है अपितु आपके स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। विवेकपूर्ण डायटिंग के साथ व्यायाम करके आप आसानी से अपने शरीर का वजन घटा सकते हैं।

पैदल चलना सबसे प्रभावशाली तथा सरल व्यायाम है जिसे करने के लिए आपको अलग से समय निकालने की भी जरूरत नहीं होती। इस व्यायाम को आपकी दिनचर्या में आसानी से शामिल किया जा सकता है। पार्क में या रास्ते में कहीं भी यह व्यायाम किया जा सकता है। यदि आपका घर बस स्टेण्ड के नजदीक है तो तेज कदमों से बस स्टैंड तक का रास्ता तय करना लाभदायक हाता है। साथ ही लिफ्ट की बजाए सीढ़ियों का प्रयोग करना भी वजन कम करने में मददगार होता है। बाजार जाने के लिए कार या स्कूटर से जाने की अपेक्षा पैदल जाना ही उचित रहता है। प्रतिदिन यदि केवल एक घंटा पैदल चलने का नियम बना लें तो जल्द ही आश्चर्यजनक परिणाम सामने आते हैं।

कुछ लोगों में शरीर के किन्हीं विशेष भागों में चर्बी का जमाव अन्य भागों की अपेक्षा अधिक होता है। इसके लिए प्रातः जल्दी जग कर एक्सरसाइज करने के साथ यह जरूरी है कि आप जान लें कि शरीर के किस हिस्से से कितनी अतिरिक्त चर्बी घटानी है। ऐसी समस्या महिलाओं में पुरूषों की तुलना में अधिक पाई जाती है।

कई लोगों में निकली हुई तोंद परेशानी का कारण होती है। पूरी तरह फिट तथा स्लिम रहने के बावजूद इस हिस्से पर चर्बी घटाने की जरूरत होती है। आपकी तोंद निकली है या नहीं इसके लिए एक साधारण प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए सीधे खड़े होकर अपने पैरों को देखने की कोशिश करें। ऐसा करने पर यदि आप अपने पैर न देख सकें तो समझ लें कि आपको तोंद पर से चर्बी हटाने की जरूरत है। इसके लिए स्नीकर्स पहनकर कार्डियो–वस्कुलर एक्सरसाइज करना फायदेमंद होता है। इसे 30–40 मिनट की अवधि के लिए हफ्ते में कम से कम तीन बार करें। बाद में धीरे–धीरे इसे बढ़ाकर हफ्ते

में छः बार भी किया जा सकता है।

एक्सरसाइज के साथ–साथ कुछ अन्य बातों का पालन भी आपकी मदद कर सकता है। जैसे दिन में तीन बार भारी भोजन करने की बजाए मिनी मील्स की अवधारणा अपनाएं अर्थात् दो–तीन घंटे के अंतर पर थोड़ा–थोड़ा भोजन करें। शरीर में जहरीले तत्वों का जमाव भी वजन बढ़ाता है, इसलिए इन तत्वों को दूर करने के लिए दिन में कम से कम आठ गिलास पानी जरूर पिएं। अपने खानपान से तेल, चीनी, एल्कोहल तथा अन्य शीतल पदार्थों को निकालना भी जरूरी है। कच्चे फलों तथा सब्जियों का सेवन ज्यादा लाभकारी होगा।

बाहरी जांघों पर से चर्बी हटाने के लिए हफ्ते में तीन बार 30–40 मिनट के लिए कार्डियोवस्कुलर वर्कआउट्स किया जाना चाहिए। धीरे धीरे इसे बढ़ाकर हफ्ते में छः दिन कर दें। यहाँ यह बात ध्यान में रखना जरूरी है कि जल्दी पतला होने के चक्कर में जरूरत से ज्यादा हम एक्सरसाइज कभी न करें। अंदरूनी जांघों को संतुलित करने के लिए इनर थाई टोनर को घुटने के पास रखें फिर पैरों को अंदर की ओर भीचे और ढ़ीला छोड दें।

झुके हुए गोल कंधे सभी को बुरे लगते हैं इन्हें ठीक करने के लिए सिर्फ उठने–बैठने की सही मुद्रा ही काफी नहीं बल्कि कंधे की स्ट्रेचिंग भी जरूरी है। इसके लिए रेजिस्टेस बैंड

कार्डियोवस्कुलर वर्कआउट्स

को ठीक तरह पकडें, कंधों को पीछे की ओर खींचे तथा कोहनियों को नीचे दबाएं। इसके बाद बैंड को नीचे और छोड़ें।

पूरी काया छरहरी होने के बावजूद कुछ लोगों में बाहों के ऊपरी भाग के पिछला हिस्से पर चर्बी का जमाव ज्यादा होता है। इसे दूर करने के लिए पैरों को सीधा रखते हुए थोडा–सा आगे झुककर खड़े हो जाएं। फिर हल्के वेट्स उठाते हुए हाथों को मोड़ें और खोलें। ऐसा करते हुए अपनी बाहों के पिछले हिस्से को एकदम कड़ा कर लीजिए। नियमित रूप से ऐसा करने से आपके ट्राइसेप्स हल्के हो जाएंगे।

मोटापा कम करने के लिए अपने आहार पर भी एक नजर डालना जरूरी है। यह जरूरी है कि आपके भोजन में चर्बीयुक्त खाद्य पदार्थों की बजाए ऐसे खाद्य पदार्थ हों जो विटामिन तथा प्रोटीन से भरपूर हों। मसालेदार, तली हुई तथा मैदे से बनी हुई चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। तुलसी के पत्तों के रस में शहद मिलाकर सेवन करने से भी मोटापा नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

मोटापा दूर करने के लिए चाहे जो उपाय अपनाएं सबसे ज्यादा जरूरी है कि आपकी सोच सकारात्मक हो। आप सभी अपने मोटापे को लेकर निराशावादी न हों। अपका आशावादी दृष्टिकोण आपको अपने लक्ष्य तक जल्दी पहुंचा सकता है।

नोट : उपलब्ध सभी साम्रगी केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए दी गई है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। चिकित्सक की सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

CELEBRATIONS FOR - DECEMBER 2021

02 December	:	National Pollution Control Day
10 December	:	World Human Rights Day
14 December	:	National Energy Conservation Day
20 December	:	International Human Solidarity Day Day
24 December	:	National Consumer Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

बालचर शिक्षा

◇ गोपाल लाल जोशी

स्काउट मास्टर
डेगाना जंक्शन

बालचर आन्दोलन एक विश्व–व्यापी आन्दोलन है। इस आन्दोलन के द्वारा न केवल अपने–अपने देश में ही अपितु एक विश्व–व्यापी भातृत्व की उदात्त भावना का विकास हुआ है। इसके प्रत्येक सदस्य बालचर के मन को इस प्रकार अनुप्रेरित किया जाता है कि वह अपने को केवल अपने दल का ही नहीं अपितु एक विशाल विश्व–व्यापी संगठन का स्वयंसेवक समझ सके। अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस आन्दोलन के समान कोई अन्य आन्दोलन एवं संस्था नहीं है जिसका इससे अधिक विकासशील तथा बहुजन–हिताय के उच्चतर आदर्श का लक्ष्य रहा हो।

जीवन में घृणा, कपट, छल, वैमनस्य एवं ऐसी ही अन्य प्रवृत्तियों को बढ़ावा आदि काल से ही विभिन्न स्रोतों द्वारा मिलता रहा है। जिससे मानवता के विकास क्रम में सदैव ही विभिन्न प्रकार की बाधाएं उपस्थित होती रही है। परन्तु सदाचार, सच्चरित्रता, प्रेम, सेवा तथा भ्रातृत्व की उदात्त भावनाओं का बालक के चरित्र में आरम्भ से ही समन्वित करने का लक्ष्य एवं प्रयत्न इतने विस्तृत परिमाण में इसी आन्दोलन के द्वारा सम्भव हो सका है।

बालक को शिक्षित करने का प्रमुख उद्देश्य उसके व्यक्तित्व का चहुंमुखी विकास करना है। उसको एक सुयोग्य नागरिक बनाना है जो मनुष्य की तरह जीवन यापन कर सके और ऐसे संस्कारों के विकास में अपना पूर्ण योग प्रदान कर सके जिससे सभ्यता के मूल्यों में अभिवृद्धि हो सके। अपने जीवन को विभिन्न पहलुओं में विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल ढाल सके अथवा परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना सके। जीवन की सफलता इसी पैमाने द्वारा नापी जा सकती है।

परन्तु क्या यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि प्रचलित शिक्षा प्रणाली के कदम सही दिशा में ही पड़ रहे हैं? क्या यह वास्तविकता नहीं है कि विद्यार्थियों में अनुशासन, सच्चरित्रता, कर्त्तव्य–परायणता एवं नेतृत्व शक्ति का प्रायः अभाव पाया जाता है? इन प्रश्नों का उत्तर "हाथ कंगन को आरसी क्या" के आधार पर किसी से छिपा नहीं है। जीवन के समुचित मूल्यों के प्रति हमारे प्रयास अभी तक अपर्याप्त ही रहे है। सच तो यह है कि शिक्षाशास्त्री एवं दार्शनिक तात्कालिक जीवन के हेतु उपयुक्त मूल्यों का निर्धारण नहीं कर पाये हैं। मानव जीवन को समुन्नत करने हेतु जीवन के प्रति पूर्ण आस्था, उसके विभिन्न पहलुओं का सर्वांग अध्ययन एवं तत्संबंधी मूल्यों का निर्धारण होना ही चाहिए।

यह सत्य है कि समय के साथ मानव–जीवन के मूल्यों तथा सामाजिक मान्यताओं में क्रमिक परिवर्तन होते रहना आवश्यक है ताकि मनुष्य न तो पूर्ण रूढ़िवादी होकर भावी पीढ़ी के प्रति निश्चेष्ट हो जाये और न ही अपना सामाजिक संतुलन बिगाड़ बैठे। परन्तु जीवन के बदलते हुए मूल्यों के प्रति सतत सजग रहना सफल जीवन यापन एवं सभ्यता के विकास के लिए परम आवश्यक है इस क्षेत्र में हमें अभी उचित कदम उठाने हैं।

आधुनिक शिक्षा पद्धति में खेल

के द्वारा ज्ञान प्रदान करना एक महत्वपूर्ण तरीका है जिसके द्वारा बालक को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष अनुभव कराये जाते है। शिक्षा की यह पद्धति नवीन सी भले ही प्रतीत होती हो, परन्तु यह सत्य है कि प्रकृति की गोद में विचरण करने वाले विभिन्न प्राणी इसी पद्धति द्वारा अपने शिशुओं को आवश्यक शिक्षा प्रदान करते रहे हैं। बालचर आन्दोलन भी इसी पद्धति से बालक को व्यक्तिगत एवं सामूहिक ढंग से विभिन्न अनुभव प्रदान करता है। इतना ही नहीं, बालक को इस प्रकार की प्रेरणा भी प्रदान करता है कि कई अनुभव बालक स्वयं अर्जित कर सके। बालक की जिज्ञासा एवं ज्ञान–पिपासा का समुचित उपयोग करने के पर्याप्त अवसर बालकों को प्रदान किए जाते हैं। बालक अपनी अवस्था के अनुसार अपने कर्तव्यों को स्वयं निभा सके, इस योग्य उसे बनाने की चेष्टा की जाती है। टोली विधि के द्वारा बालचर में आरम्भ से ही ऐसी भावनाओं तथा व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है जिनकी सामान्यतम उपलब्धि प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक होनी चाहिए, जैसे नेतृत्व, तत्परता, उत्तरदायित्व, आज्ञापालन एवं सहकारिता। इनके अतिरिक्त जीवन में विभिन्न अवसरों पर सफलता प्राप्त करने की कुंजी है ''आत्म विश्वास'' जिसकी पर्याप्त प्रेरणा तथा अभ्यास बालक को अनायास ही प्राप्त होता है।

प्रेम एवं सेवा की उदात्त भावनाओं का बालक के आरम्भिक काल से ही जीवन के विभिन्न मूल्यों के समाविष्टि की जाती है, तथा परहित के अतिरिक्त ईश्वर तथा राष्ट्र के प्रति, विश्व भ्रातृत्व के प्रति, मानव मात्र ही नहीं पशुओं के प्रति भी संवेदनशीलता उसके जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बन जाती है। संवेदनशीलता ही ऐसा गुण है जो हमें बदलते हुए मानव–जीवन के मूल्यों के प्रति सजग रखता है।

कौनसा अभिभावक अपने बालकों को जीवन के प्रति निष्ठावान एवं संवेदनशील तथा उपर्युक्त गुणों से युक्त देखना न चाहेगा?प्रत्येक पिता अपने जीवन की अपूर्णताओं एवं असफलताओं की पूर्ति अपने बच्चों में देखते की उत्कट अभिलाषा रखता है। किस राष्ट्र के कर्णधार भावी पीढ़ी को अपने से अधिक समुन्नत देखना पसंद नहीं करेंगे? अपने में आत्म–विश्वास एवं उत्तरदायित्व की महान कमी के कारण चाहते हुए भी हम अपने लक्ष्य को एक नेत्रहीन की भांति टटोल रहे है। काश हम अपनी इस असहाय स्थिति को समझ पाते।

यदि शिक्षा के क्षेत्र में बालक की सुलभ प्रवृत्तियों के सुनियोजित उपयोग से उसके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है तो बालचर शिक्षा पद्धति को समुचित स्थान देना चाहिए। पुस्तकीय शिक्षा का असीमित उपयोग देश के लिए सदैव ही अभिशाप सिद्ध हुआ है। पुस्तकों का कमर–तोड़ बोझा राष्ट्र के नौनिहालों के व्यक्तित्व का विकास अवरूद्ध करने में काफी समय से सफलता प्राप्त करता रहा है। वस्तुतः हमारी शिक्षा प्रणाली में ऐसे परिवर्तन की नितांत आवश्यकता है जिससे देश के भावी नागरिक सही अर्थ में राष्ट्र तथा अपने जीवन की विभिन्न जिम्मेवारियों को भली प्रकार निभाने के लिए समर्थ हो सके। यदि ऐसा परिवर्तन नहीं किया जाता है तो प्रचलित शिक्षा प्रणाली हमारे समाजवादी समाज की संरचना में अधिक सहायक हो सकेगी, इसमें काफी संदेह है।

उद्योग केंद्रित शिक्षा (बुनियादी शिक्षा) की जो हीन दशा होती जा रही है, बापू ने कभी उसकी कल्पना भी न की होगी। वास्तव में उद्योग केंद्रित शिक्षा पद्धति से बापू का अर्थ यह था कि बालक आरम्भ से ही जीवन के प्रति आत्म विश्वास उत्पन्न कर सकें, तथा शीघ्र ही अपने कौशल से आत्मनिर्भर भी हो सकें, साथ ही देश की बेरोजगारी की तथा कम उत्पादन की समस्याओं का भी समाधान किया जा सके। परन्तु हम बापू के इस स्वप्न को बदलती हुई परिस्थितियों की घबराहट में साकार न कर सके।

श्रम का महत्व तथा प्राकृतिक वातावरण में ज्ञान की प्राप्ति का प्रयास बेसिक शिक्षा की भांति बालचर शिक्षा द्वारा भी सहज ही किया जाता है। वस्तुतः बालचर शिक्षा पद्धति एक जीवन की शिक्षापद्वति है। बालक इस पद्धति के द्वारा प्रत्येक व्यवहारिक ज्ञान खेल के स्वाभाविक वातावरण में ही प्राप्त कर लेता है। पुस्तकीय ज्ञान जिज्ञासा का अनुगामी है और जिज्ञासा तभी प्रबल होती है जब हमारे सामने कोई लक्ष्य हो। लक्ष्य के निर्धारण में शिक्षक को बालक की सहायता करनी चाहिए। बालक को उसकी रूचि, क्षमता तथा प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही नहीं, अपितु आर्थिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए शिक्षक को चाहिए कि बालक को सही मार्ग बताए। इससे बालक की अभिरुचि तथा जिज्ञासा अपने लक्ष्य के प्रति सदैव बनी रहेगी।

अतः बालचर शिक्षा–पद्धति को विद्यालयों में जो सीमित क्षेत्र अब तक प्रदान किया गया है उसका विस्तार होना चाहिए। एनसीसी आदि के समकक्ष बालचर शिक्षा को रखना तो नितांत हास्यास्प्रद ही प्रतीत होता है। बालचर शिक्षा स्वयं में एक शिक्षा प्रणाली है जबकि ये संस्थाएं केवल सुरक्षात्मक अथवा शारीरिक शिक्षा मात्र ही हैं अतः एकांगी है। यदि बालचर शिक्षा पद्धति के साथ इन संस्थाओं के प्रमुख सुरक्षात्मक अभ्यासों का समन्वय कर दिया जाय तो श्रमिक अच्छा रहे। देश को आज इस प्रकार की शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है कि बालक श्रम के मूल्य के साथ ही अपने जीवन तथा राष्ट्र का मूल्य भी समझ सकें।

हमारे महापुरुष

श्रीनिवास रामानुजन

गणित के नक्षत्र

22 दिसम्बर : जयन्ति पर विशेष

श्रीनिवास रामानुजन इयंगर एक महान भारतीय गणितज्ञ थे। इन्हें आधुनिक काल के महानतम गणित विचारकों में गिना जाता है। इन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला, फिर भी इन्होंने विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए। इन्होंने अपनी प्रतिभा और लगन से गणित के क्षेत्र में अद्भुत अविष्कार किए और भारत को अतुलनीय गौरव भी प्रदान किया।

ये बचपन से ही विलक्षण प्रतिभावान थे। इन्होंने खुद से गणित सीखा और अपने छोटे से जीवन में गणित के 3,884 प्रमेयों का संकलन किया। इनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किये जा चुके हैं। इन्होंने गणित के सहज ज्ञान और बीजगणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारम्परिक परिणाम निकाले जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो रहा है। हाल में इनके सूत्रों को क्रिस्टल–विज्ञान में प्रयुक्त किया गया है। इनके कार्य से प्रभावित गणित के क्षेत्रों में हो रहे काम के लिये रामानुजन जर्नल की स्थापना की गई।

रामानुजन की कार्यशैली और शोध

रामानुजन और इनके द्वारा किए गए अधिकांश कार्य अभी भी वैज्ञानिकों के लिए अबूझ पहेली बने हुए हैं। एक बहुत ही सामान्य परिवार में जन्म ले कर पूरे विश्व को आश्चर्यचकित करने की अपनी इस यात्रा में इन्होंने भारत को अपूर्व गौरव प्रदान किया। इनका वह पुराना रजिस्टर जिस पर वे अपने प्रमेय और सूत्रों को लिखा करते थे, 1976 में अचानक ट्रिनीटी कॉलेज के पुस्तकालय में मिला। करीब एक सौ पन्नों का यह रजिस्टर आज भी वैज्ञानिकों के लिए एक पहेली बना हुआ है। इस रजिस्टर को बाद में रामानुजन की नोट बुक के नाम से जाना गया। रामानुजन के नाम के साथ ही उनकी कुलदेवी का भी नाम लिया जाता है। इन्होने शून्य और अनन्त को हमेशा ध्यान में रखा और इसके अंतर्सम्बन्धों को समझाने के लिए गणित के सूत्रों का सहारा लिया। रामानुजन के कार्य करने की एक विशेषता थी। पहले वे गणित का कोई नया सूत्र या प्रमेय लिख देते थे, लेकिन उसकी उत्पत्ति पर उतना ध्यान नहीं देते थे। इसके बारे में पूछे जाने पर वे कहते थे कि यह सूत्र उन्हें नामगिरी देवी की कृपा से प्राप्त हुए हैं। रामानुजन का आध्यात्म के प्रति विश्वास इतना गहरा था कि वे अपने गणित के क्षेत्र में किये गए किसी भी कार्य को आध्यात्म का ही एक अंग मानते थे। वे कहते थे कि 'मेरे लिए गणित के उस सूत्र का कोई मतलब नहीं है जिससे मुझे आध्यात्मिक विचार न मिलते हो'।

आरंभिक जीवनकाल

रामानुजन का जन्म 22 दिसम्बर, 1887 को भारत के दक्षिणी भूभाग में स्थित कोयंबटूर के ईरोड नामक गांव में हुआ था। वह पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे। इनकी माता का नाम कोमलताम्मल और इनके पिता का नाम श्रीनिवास अय्यंगर था। इनका बचपन मुख्यतः कुंभकोणम में बीता था जो कि अपने प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। बचपन में रामानुजन का बौद्धिक विकास सामान्य बालकों जैसा नहीं था। यह तीन वर्ष की आयु तक बोलना भी नहीं सीख पाए थे। बाद के वर्षों में जब उन्होंने विद्यालय में प्रवेश लिया तो भी पारंपरिक शिक्षा में इनका कभी भी मन नहीं लगा। रामानुजन ने दस वष की आयु में प्राइमरी परीक्षा में पूरे जिले में सबसे अधिक अंक प्राप्त किये और आगे की शिक्षा के लिए टाउन हाई स्कूल पहुंचे। रामानुजन को प्रश्न पूछना बहुत पसंद था। उनके प्रश्न अध्यापकों को कभी–कभी बहुत अटपटे लगते थे। जैसे कि–संसार में पहला पुरुष कौन था? पृथ्वी और बादलों के बीच की दूरी कितनी होती है?

रामानुजन का व्यवहार बड़ा ही मधुर था। इनका सामान्य से कुछ अधिक स्थूल शरीर और जिज्ञासा से चमकती आँखें इन्हें एक अलग ही पहचान देती थी। इन्होंने स्कूल के समय में ही कॉलेज के स्तर के गणित को पढ़ लिया था। एक बार इनके विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने यह भी कहा था कि विद्यालय में होने वाली परीक्षाओं के मापदंड रामानुजन के लिए लागू नहीं होते हैं। हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इन्हें गणित

व अंग्रेजी मे अच्छे अंक लाने के कारण सुब्रमण्यम छात्रवृत्ति मिली और कालेज की शिक्षा के लिए प्रवेश भी मिला।

आगे एक परेशानी आई। रामानुजन का गणित के प्रति प्रेम इतना बढ़ गया था कि ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित को छोड़ कर बाकी सभी विषयों में फेल हो गए और परिणामस्वरूप उनको छात्रवृत्ति मिलनी बंद हो गई। घर की स्थिति सुधारने के लिए इन्होंने गणित के कुछ ट्यूशन तथा खाते–बही का काम भी किया। कुछ समय बाद 1907 में रामानुजन ने फिर से बारहवीं कक्षा की प्राइवेट परीक्षा दी और अनुत्तीर्ण हुए तथा इसी के साथ उनकी पारम्परिक शिक्षा की इतिश्री हो गई।

विवाह और गणित साधना

वर्ष 1908 में इनके माता पिता ने इनका विवाह जानकी नामक कन्या से कर दिया। वे नौकरी की तलाश में मद्रास आए। बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण न होने की वजह से इन्हें नौकरी नहीं मिली और उनका स्वास्थ्य भी बुरी तरह गिर गया। बीमारी से ठीक होने के बाद वे वापस मद्रास आए और फिर से नौकरी की तलाश शुरू कर दी। ये जब भी किसी से मिलते थे तो उसे अपना एक रजिस्टर दिखाते थे। इस रजिस्टर में इनके द्वारा गणित में किए गए सारे कार्य होते थे। इसी समय किसी के कहने पर रामानुजन वहां के डिप्टी कलेक्टर श्री वी. रामास्वामी अय्यर से मिले। अय्यर गणित के बहुत बड़े विद्वान थे। यहां पर श्री अय्यर ने रामानुजन की प्रतिभा को पहचाना और जिलाधिकारी श्री रामचंद्र राव से कह कर इनके लिए 25 रूपये मासिक छात्रवृत्ति का प्रबंध भी कर दिया। इस वृत्ति पर रामानुजन ने मद्रास में एक साल रहते हुए अपना प्रथम शोधपत्र प्रकाशित किया। शोध पत्र का शीर्षक था 'बरनौली संख्याओं के कुछ गुण' और यह शोध पत्र जर्नल ऑफ इंडियन मैथेमेटिकल सोसाइटी में प्रकाशित हुआ था। यहां एक साल पूरा होने पर इन्होने मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी की, जहाँ काम का बोझ कुछ ज्यादा नहीं था। अतः समय मिलते ही नए–नए गणित के सूत्र लिखा करते थे।

प्रोफेसर हार्डी के साथ पत्र–व्यवहार

उस समय भारतीय और पश्चिमी रहन सहन में एक बड़ी दूरी थी, तब रामानुजन के पुराने शुभचिंतक काम आए और इन लोगों ने रामानुजन द्वारा किए गए कार्यों को लंदन के प्रसिद्ध गणितज्ञों के पास भेजा। इसी समय रामानुजन ने अपने संख्या सिद्धांत के कुछ सूत्र प्रोफेसर शेषू अय्यर को दिखाए तो उनका ध्यान लंदन के ही प्रोफेसर हार्डी की तरफ गया। प्रोफेसर हार्डी उस समय विश्व के प्रसिद्ध गणितज्ञों में से एक थे और अपने सख्त स्वभाव और अनुशासन प्रियता के कारण जाने जाते थे। रामानुजन ने प्रोफेसर हार्डी के अनुत्तरित प्रश्न का उत्तर भी खोज निकाला था। प्रोफेसर हार्डी आजीवन रामानुजन की प्रतिभा और जीवन दर्शन के प्रशंसक रहे। प्रोफेसर हार्डी ने उस समय के विभिन्न प्रतिभाशाली व्यक्तियों को 100 के पैमाने पर आंका था। अधिकांश गणितज्ञों को 100 में 35 अंक दिए और कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को 60 अंक दिए। लेकिन उन्होंने रामानुजन को 100 में पूरे 100 अंक दिए थे।

आरंभ में रामानुजन ने जब अपने किए गए शोधकार्य को प्रोफेसर हार्डी के पास भेजा तो पहले उन्हें भी पूरा समझ में नहीं आया। जब उन्होंने अपने मित्र गणितज्ञों से सलाह ली तो वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि रामानुजन गणित के क्षेत्र में एक दुर्लभ व्यक्तित्व है और इनके द्वारा किए गए कार्य को ठीक से समझने और उसमें आगे शोध के लिए उन्हें इंग्लैंड आना चाहिए। अतः उन्होंने रामानुजन को कैंब्रिज आने के लिए आमंत्रित किया।

विदेश गमन

कुछ व्यक्तिगत कारणों और धन की कमी के कारण रामानुजन ने प्रोफेसर हार्डी के कैंब्रिज के आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। लम्बे पत्र व्यवहार के बाद धीरे–धीरे प्रोफेसर हार्डी ने रामानुजन को कैंब्रिज आने के लिए सहमत कर लिया। रामानुजन ने इंग्लैण्ड जाने के पहले गणित के करीब 3000 से भी अधिक नये सूत्रों को अपनी नोटबुक में लिखा था।

रामानुजन ने लंदन की धरती पर कदम रखा। वहां प्रोफेसर हार्डी ने उनके लिए पहले से व्यवस्था की हुई थी। इंग्लैण्ड में रामानुजन को बस थोड़ी परेशानी थी और इसका कारण था उनका शर्मीला, शांत स्वभाव और शुद्ध सात्विक जीवनचर्या। अपने पूरे इंग्लैण्ड प्रवास में वे अधिकांशतः अपना भोजन स्वयं बनाते थे। इंग्लैण्ड की इस यात्रा से उनके जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। उन्होंने प्रोफेसर हार्डी के साथ मिल कर उच्चकोटि के शोधपत्र प्रकाशित किए। अपने एक विशेष शोध के कारण इन्हें कैंब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए. की उपाधि भी मिली। लेकिन वहां की जलवायु और रहन–सहन की शैली उनके अनुकूल नहीं थी और उनका स्वास्थ्य खराब रहने लगा। डॉक्टरों ने इसे क्षय रोग बताया। उस समय क्षय रोग की कोई दवा नहीं होती थी और रोगी को सेनेटोरियम में रहना पड़ता था। रामानुजन को भी कुछ दिनों तक वहां रहना पड़ा। वहां इस समय भी यह गणित के सूत्रों में नई नई कल्पनाएं किया करते थे।

स्वदेश आगमन

भारत लौटने पर भी स्वास्थ्य ने इनका साथ नहीं दिया और हालत गंभीर होती जा रही थी। इस बीमारी की दशा में भी इन्होंने मॉक थीटा फंक्शन पर एक उच्च स्तरीय शोधपत्र लिखा। रामानुजन द्वारा प्रतिपादित इस फलन का उपयोग गणित ही नहीं बल्कि चिकित्सा–विज्ञान में कैंसर को समझने के लिए भी किया जाता है।

मृत्यु

इनका गिरता स्वास्थ्य के कारण अब डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया था। अंत में रामानुजन के विदाई की घड़ी आ ही गई। 26 अप्रैल, 1920 को प्रातः वे अचेत हो गए और दोपहर होते होते उन्होंने प्राण त्याग दिए। इस समय रामानुजन की आयु मात्र 33 वर्ष थी। इनका असमय निधन गणित जगत के लिए अपूरणीय क्षति था। पूरे देश विदेश में जिसने भी रामानुजन की मृत्यु का समाचार सुना वही स्तब्ध हो गया।

भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस
फ्लेग स्टीकर विमोचन

विश्व के सभी देशों में स्काउटिंग चल रही है। भारत के विभिन्न हिस्सों में स्वतंत्र रूप से चल रहे विभिन्न स्काउट गाइड संघों का एकीकरण कर 7 नवम्बर, 1950 को भारत स्काउट व गाइड संगठन की स्थापना की गई। अतः इस दिवस को भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को यादगार बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। विगत वर्षों से इस दिन को झण्डा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है ताकि आमजन के बीच जाकर संगठन के लिये उनका भावनात्मक व क्रियात्मक आर्थिक सहयोग लेकर उनको भी इस संगठन की मुख्य धारा से जोड़ सकें। स्टीकर्स के प्रचार–प्रसार से समाज में स्काउट गाइड के प्रति मान सम्मान में अभिवृद्धि तो होती ही है साथ ही स्काउट गाइड को समाज में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा कर प्रचार–प्रसार करने का सुअवसर भी मिलता है। झण्डा दिवस की सफल परिणिति सघन जनसम्पर्क के रूप में होना और जन समुदाय की सदाशयता को पाना हमारा प्रमुख उद्देश्य है।

अजमेर मण्डल

जिला कलेक्टर डॉ. सोनी द्वारा फ्लेग स्टीकर विमोचन

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, नागौर के तत्वावधान में भारत स्काउट व गाइड का 71वां स्थापना दिवस स्काउट गाइड झंडा दिवस के रुप में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी व पुलिस अधीक्षक अभिजीत सिंह व मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र कुमार शर्मा ने भारत स्काउट व गाइड

राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी फ्लेग स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिले के स्काउट्स गाइड्स को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने कहा कि स्काउट गाइड विश्व का सबसे बड़ा संगठन है जो बालक बालिकाओं को सुनागरिकता की शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने जनसाधारण से झंडा दिवस पर सहयोग का आह्वान करते हुए जिले की समस्त शिक्षण संस्थाओं में स्काउट गाइड गतिविधि को अनिवार्य रूप से संचालित करने के निर्देश दिये।

पुलिस अधीक्षक ने सभी को शुभकामनाएं दी। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी व मुख्य जिला आयुक्त राजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि राष्ट्र में स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिये भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी स्टिकर जिले के सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से जिले की समस्त विद्यालयों में भिजवा कर बच्चों के माध्यम से वितरित कर राशि एकत्रित कर राष्ट्रीय मुख्यालय भिजवाई जाएगी।

सी.ओ. स्काउट एम. असफाक पँवार ने बताया कि यह सप्ताह आत्मनिर्भर सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा व प्रत्येक स्कूल में स्काउट गाइड फ्लेग भिजवा कर अधिक से अधिक बालक बालिकाओं को जोड़ कर उनमें स्वावलम्बन की भावना जागृत कर एक सेवाभावी नागरिक तैयार होंगे। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर नागौर के निर्देशानुसार सभी विद्यालयों में बालक बालिकाओं को स्काउट गाइड बनाया जा रहा है, विशेष रूप से राज्य सरकार के महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में यह गतिविधि अनिवार्यतः संचालित किये जाने हेतु समय सीमा निर्धारित की गई है ताकि इन स्कूलों का पंजीकरण किया जा सके। इस अवसर पर सी.ओ. गाइड मीनाक्षी भाटी ने अवगत कराया की विभागीय निर्देशों की अनुपालना में जिले के सभी को–एड स्कूलों में गाइड यूनिट का गठन कर पंजीकरण करवाया जाना अनिवार्य है।

भरतपुर मण्डल

स्टीकर विमोचन पर हर संभव सहयोग का आश्वासन

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, कारौली के तत्वावधान में स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यवाहक जिला कलेक्टर श्री परसराम मीना ने फ्लेग स्टीकर का विमोचन कर स्काउट गाइड के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये हमेशा हर सेवा कार्य के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि करौली जिले में स्काउट गाइड की गतिविधियां सक्रियता पूर्वक संचालित की जा रही है और इसके लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जायेगा।

स्टीकर विमोचन के अवसर पर स्काउट गाइड कार्यकर्ताओं ने श्री मीना का स्काउट गाइड स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व जिला सचिव सर्वेश कुमार गुप्ता, पूर्व

जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, रोवर लीडर गणपत लाल गुप्ता, स्काउटर नेमीचन्द शर्मा, रोवर स्काउट लवकुश मंगल, नीलेश जंगम, मदन गोपाल शर्मा, पिंटू गौड़, रघुवीर सिंह राजपूत, हीरालाल जाटव, गौरव जोशी, मनकेश मीना, दीपक नौशाद, शामू सेन, रेंजर नीतू, नीतेश सैनी, शिवानी माली आदि उपस्थित थे।

बीकानेर मण्डल

उच्च शिक्षा मंत्री ने किया स्टीकर विमोचन

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड के स्थापना दिवस सप्ताह पर फ्लेग स्टीकर का विमोचन प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी, जिला कलेक्टर नमित मेहता और शिक्षा निदेशक माध्य.शिक्षा कानाराम ने किया।

श्री भाटी ने कहा कि स्काउट गाइड संगठन सदैव सेवा में अपनी अग्रणी भूमिका रखता है, साथ ही युवाओं में अनुशासन का निर्माण करता है। संगठन में शिक्षा के साथ–साथ बहुआयामी गतिविधियों द्वारा युवाओं का सर्वांगीण विकास होता है। नमित मेहता ने कहा कि स्काउट गाइड स्टीकर बिक्री अभियान में सभी को अपनी भागीदारी निभा कर राहत कोष को सुदृढ़ बनाना चाहिए। शिक्षा निदेशक कानाराम ने सभी विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधियों का सुचारू संचालन के लिए प्रयास किए जाने की बात कही।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट मानमहेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि बीकानेर जिले में स्काउट गाइड संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा एवं विभिन्न विद्यालयों के माध्यम से स्टीकर

बिक्री कर राशि एकत्रित की जाएगी। बिक्री अभियान में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजकुमार शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक सुरेंद्र सिंह भाटी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुनील बोडा, भूप सिंह तिवारी आदि को भी फ्लेग स्टीकर लगाए गए। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेन्द्र सिंह भाटी, सहायक राज्य संगठन आयुक्त सुयश लोढ़ा, सीओ स्काउट जसवंत सिंह राजपुरोहित, गंगाशहर प्रधान भवानी शंकर जोशी एवं रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

फ्लेग स्टीकर का विमोचन कर दी शुभकामनाएं

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चूरू के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड के 71 वें स्थापना दिवस को स्काउट गाइड झण्डा दिवस के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर श्री साँवर मल वर्मा ने राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी स्टीकर का विमोचन किया एवं स्काउट गाइड

आन्दोलन को अपनी शुभकामनाएँ दी एवं आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

सी.ओ.स्काउट महिपाल सिंह तँवर ने बताया कि इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि स्काउट गाइड आन्दोलन विश्व के सबसे बड़े एन.जी.ओ. के रुप में हमारे बालक बालिकाओं को सुनागरिकता की शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने जन साधारण से झण्डा दिवस पर सहयोग का आह्वान करते हुए जिले के प्रत्येक विद्यालय/महाविद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधि को अनिवार्य रुप से संचालित करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार महर्षि, सी.ओ. महिपाल सिंह तंवर, अति.जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.) नारायण कुमार मेघवाल, स्काउटर ओम प्रकाश, रोवर यशवीर सिंह, नमन कुमार, रेंजर पूनम कुमारी, मनीषा, विनोद कुमारी, निकिता एवं अन्य उपस्थित थे।

राष्ट्र में स्काउट गाइड संगठन को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी स्टीकर जिले के समस्त स्काउट गाइड द्वारा जनसाधारण को वितरित कर उनकी शुभकामनाएँ एवं आर्थिक सहयोग प्राप्त किया जायेगा, जिससे प्राप्त राशि से राज्य मुख्यालय जयपुर व राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली पर एक आरक्षित कोष तैयार किया जा रहा है। जिसका उपयोग संगठन की सेवाभावी गतिविधियों के साथ–साथ विभिन्न आपदाओं में जैसे–भूकम्प, बाढ, अग्नि, दुर्घटना आदि से पीड़ित व्यक्तियों के लिए किया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने किया स्टीकर विमोचन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, हनुमानगढ़ के तत्वावधान में भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस

आयोजन के तहत जिला कलेक्टर नथमल डिडेल के कर कमलों से फ्लेग स्टीकर का विमोचन कराया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट भारत भूषण ने जिले में चल रही स्काउट गाइड गतिविधियों से जिला कलेक्टर को अवगत कराया।

जयपुर मण्डल

जिला कलेक्टर को स्कार्फ, स्टीकर विमोचन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अलवर द्वारा भारत स्काउट व गाइड के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर नन्नुमल पहाड़िया से फ्लेग स्टीकर का विमोचन कराया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मा.शिक्षा राकेश शर्मा ने जिला कलेक्टर को स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया।

जिला कलेक्टर ने किया स्टीकर विमोचन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस आयोजन के तहत जिला कलेक्टर पियुष सामरिया ने फ्लेग स्टीकर का

विमोचन कर शुभकामनाएं व बधाई दी। इस अवसर पर सी. ओ. गाइड इन्दु तंवर ने जिले में चल रही स्काउट गाइड गतिविधियों से जिला कलेक्टर को अवगत कराया।

जोधपुर मण्डल

जिला कलेक्टर से स्टीकर विमोचन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जालोर की ओर से जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त टीमाराम मीणा, सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चुन्नीलाल परिहार, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भैराराम मीणा, गाइडर रजिया बेगम आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने जिला कलक्टर महोदया को जिले में संचालित स्काउट गाइड

गतिविधियों से अवगत कराया और जिला मुख्यालय जालोर की ओर से जिला कलेक्टर महोदया को स्कार्फ पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

स्टीकर विमोचन कर बिक्री के लिए जारी

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में स्काउट गाइड स्थापना दिवस आयोजन के तहत जिला कलक्टर सिरोही भगवती प्रसाद ने कलक्टर कार्यालय में स्काउट गाइड फ्लेग स्टीकर का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त अमर सिंह देवड़ा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गणपत

सिंह देवड़ा आदि उपस्थित थे।

सी.ओ. स्काउट सिरोही नरेन्द्र खोरवाल ने बताया कि भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा जारी स्टीकर जिले के समस्त माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं से स्काउट गाइड व अन्य छात्र–छात्राओं द्वारा बिक्री कर जनता में सहयोग प्राप्त करेंगे व इससे प्राप्त राशि का उपयोग संगठन कि सेवा भावी गतिविधियों के साथ–साथ विभिन्न आपदाओं में जैसे भुकम्प, बाढ, अग्नि, दुर्घटना आदि से पीड़ित व्यक्तियों के लिए किया जायेगा।

स्टीकर विमोचन: कलेक्टर ने साझा किये अनुभव

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में भारत स्काउट गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा

जारी स्टीकर का जिला कलेक्टर श्री अंशदीप जी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिटी के कर कमलों द्वारा विमोचन किया गया। प्रतिवर्ष संगठन की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने हेतु स्काउट गाइड फ्लेग स्टीकर जारी किए जाते हैं। जिला स्तर पर जिला कलेक्टर द्वारा स्टिकर का विमोचन कर संपूर्ण जिले में वितरण हेतु निर्देश प्रदान किए गए।

स्टीकर विमोचन के मौके पर जिला कलेक्टर ने संगठन के पदाधिकारियों एवं रोवर्स रेंजर्स को बधाई दी एवं संगठन की सेवाओं की भूरी भूरी प्रसंशा की। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने संगठन के सेवा कार्य की सराहना करते हुए स्वयं के स्काउट जीवन में सीखी कलाओं को याद किया और पायनियरिंग गांठों का नाम सहित प्रदर्शन भी किया। समस्त कार्यालय में स्टीकर लगाने हेतु निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त प्रकाश चंद सिंघाड़िया, सी.ओ. गाइड डिंपल दवे, रोवर जगदीश प्रसाद मीणा, तरुण सीरवी, रेंजर शारदा व निरमा आदि उपस्थित थे। रोवर्स रेंजर्स द्वारा संपूर्ण कलेक्ट्रेट परिसर के पदाधिकारियों व उपस्थित व्यक्तियों को स्टीकर लगाये।

कोटा मण्डल

संभागीय आयुक्त ने किया स्टीकर विमोचन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, कोटा के तत्वावधान में संभागीय आयुक्त श्री कैलाश मीणा द्वारा फ्लेग स्टिकर विमोचन कर बिक्री हेतु जारी किया गया। स्टीकर कार्यक्रम में

सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर, सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) प्रदीप चित्तौड़ा सर्कल ऑर्गेनाइजर (गाइड) प्रीति कुमारी एवं रोवर रेंजर उपस्थित रहे तथा संभागीय आयुक्त को संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया।

जिला कलेक्टर ने किया स्टीकर विमोचन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में फ्लेग स्टीकर का विमोचन जिला कलेक्टर श्री हरिमोहन मीणा द्वारा किया गया। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक श्री अमित कुमार, जिला मुख्य आयुक्त श्रीमती उत्तरा मेहरा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं प्रारंभिक

शिक्षा श्री पुरुषोत्तम महेश्वरी एवं अन्य स्काउट गाइड उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर श्री मीणा ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं अर्पित करते हुए स्काउट गाइड संगठन को हर संभव मदद का आश्वासन दिया और स्काउट स्टीकर बिक्री के लिए जारी किये।

उदयपुर मण्डल

जिला कलेक्टर ने किया स्टीकर विमोचन

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में फ्लेग स्टीकर का विमोचन जिला कलेक्टर चित्तौड़गढ़ श्री तारा चंद मीणा द्वारा किया गया। चन्द्र शंकर

श्रीवास्तव सी.ओ. स्काउट ने बताया कि स्टीकर बिक्री अभियान चलाकर सहयोग राशि प्राप्त की जाती है, जिसका उपयोग विभिन्न आपदाओं, राष्ट्रीय स्तरीय गतिविधियों में किया जाता है। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त शांति लाल सुथार ने जिला कलेक्टर का स्कार्फ पहनाकर स्वागत व सम्मान किया। जिला कलेक्टर तारा चंद मीना ने स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन कर बिक्री अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन रतन कुमार स्वामी, अति जिला कलेक्टर भूमि अवाप्ति ज्ञान माल खटीक, उपखंड अधिकारी चित्तौड़गढ़ श्याम सुंदर बिश्नोई द्वारा भी स्टीकर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में श्री शांति लाल सुथार, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी चित्तौड़गढ़, सिल्वर स्टार पदक प्राप्त पूर्व शिक्षा उपनिदेशक डॉ. श्याम सिंह मंडलिया, राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित लीडर ट्रेनर इंद्र लाल आमेटा, पेंशनर समाज जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण दशोरा, स्थानीय संघ प्रधान अर्जुन मूंदड़ा, अखिलेश श्रीवास्तव, स्काउटर पंकज दशोरा, देवकी नंदन वैष्णव, रोवर लीडर हेमेंद्र कुमार सोनी, गाइड कैप्टन सुनीता अग्रवाल, दिशा पारीक एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। रोवर रेंजर्स ने संपूर्ण कलेक्ट्रेट परिसर के पदाधिकारियों व उपस्थित व्यक्तियों को स्टीकर लगा कर सहयोग राशि प्राप्त की।

१५ दिसम्बर तक स्टीकर अभियान चलाया जायेगा

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ द्वारा स्काउट गाइड स्थापना दिवस के अवसर पर स्टीकर विमोचन के कार्यक्रम में स्काउट गाइड स्टीकर का विमोचन जिला कलेक्टर प्रकाशचन्द्र शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर गोपाल लाल स्वर्णकार एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा ने किया।

फ्लेग स्टीकर का विमोचन करते हुए जिला कलक्टर प्रकाशचन्द्र शर्मा ने जिले के सभी संस्था प्रधानों को निर्देशित किया कि वो स्टीकर अभियान में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करे। श्री शर्मा ने उपस्थित स्काउट गाइड स्काउटर गाइडर

रोवर रेंजर एवं स्काउट गाइड पदाधिकारियों को स्काउट गाइड स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि स्काउट गाइड एक ऐसा संगठन है जो बालक–बालिकाओं का सर्वांगीण विकास करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड रोवर रेंजर अधिकाधिक जन सेवा के कार्य करें एवं प्रशासन के कार्यों में पूर्ण सहयोग करने के निर्देश प्रदान किये। उन्होने प्रशंसा की कि स्काउट गाइड जिले में कोविड वैक्सीनेशन, सड़क सुरक्षा, वृद्धजन सहायता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होने आश्वस्त किया कि प्रशासन भारत स्काउट गाइड संगठन को पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

इस अवसर पर स्काउटर गिरवरलाल सुमन, विरेन्द्र सिह चुण्डावत, भीमराज मीणा, एनजीसी सहायक लोकेन्द्र कुमार माली, रोवर कुलदीप, अंकित सुथार, दीपक प्रजापत, दिनेश डॉगी, रेंजर रंजनी कुमावत, निकिता गोस्वामी, तरूणा राव, वैदिका चावडा, अर्शीना बी, सना खुरेशी आदि उपस्थित थे।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'वन संरक्षक व ग्राम्य कार्यकर्ता' दक्षता बैजों की जानकारी दी जा रही है।

वन संरक्षक
FORESTER

बालकों को वन संपदा और उसकी विविधता से अवगत कराने और इसके महत्व बताते हुए इन्हे बचाने के लिए किये जाने वाले उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से वन संरक्षक दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। वन संपदा व संरक्षण से अवगत कराना और वन्य जीवन की जानकारी प्रदान कराना इस बैज का अहम् हिस्सा है। वन संरक्षक दक्षता बैज का पाठ्यक्रम–

(1) 'वन' की आधारभूत विचारधारा, भारत में इसके विस्तार तथा वर्तमान संदर्भ में इसके महत्व को जानना।

(2) प्रायोगिक अवलोकन के आधार पर छोटे पौधों को बड़ा करने, इनके लिए मिट्टी को तैयार करने, पौधशाला की क्यारियों, प्लास्टिक की थैलियों आदि की जानकारी हो तथा पौधों में स्थान बदलने का समय एवं काटने व छाटने के सही मौसम की जानकारी हो।

(3) वृक्षों की जीवन प्रक्रिया तथा वृक्षों की अपनी जाति के विस्तार करने की प्रक्रिया का ज्ञान हो। वृक्षों के घावों तथा उनके उत्पन्न होने के कारणों के बारे में जानकारी हो।

(4) स्थानीय 12 प्रकार के विभिन्न वृक्षों के उगने एवं विकसित होने की जानकारी हो और उनको किसी भी मौसम में पहचानने, इसी प्रकार उनकी छाल, पत्तियों, फूलों और फलों, औषध, इमारती लकड़ी तथा अन्य उपयोगों के सम्बन्ध में उनके तत्सम्बन्धी मुख्य उपयोग जाने।

(5) जंगल की आग व इसके लगने के कारण तथा उससे बचाव करने के उपायों की जानकारी हो।

(6) पौधे तैयार करने (रेज़्ड प्लान्टेशन) की प्रारम्भ से लेकर एक वर्ष तक देखभाल करना।

(7) सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी, सड़कों के किनारे वृक्षारोपण, कुंज वृक्षारोपण (एवेन्यू प्लान्टेशन) का प्रारम्भिक ज्ञान हो और सामाजिक वानिकी कार्य में काम आने वाली 10 वृक्ष जातियों की जानकारी हो।

(8) 'कटाव' होने, इसके कारणों तथा कटाव रोकने के उपायों की व्यावहारिक जानकारी हो।

(9) किसी निर्धारित वृक्ष में उपयोगी इमारती लकड़ी की मात्रा का अनुमान लगा सके।

ग्राम्य कार्यकर्ता
RURAL WORKER

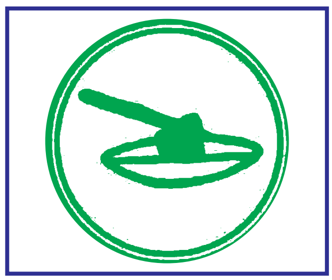

भारत गाँवों का देश है। गाँवों की विभिन्न जानकारियों, कार्यक्रमों व कार्य प्रणाली की जानकारी ग्राम्य कार्यकर्ता दक्षता बैज उत्तीर्ण करने का मुख्य आधार है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्राम्य कार्यकर्ता दक्षता बैज का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विवरण निम्नानुसार है –

(1) गांव के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करें, जैसे कि– क्षेत्रफल, जनसंख्या, व्यवसाय, उत्पाद, कुएँ और जल–प्रदाय के अन्य साधन, परम्पराएँ, विद्यालय जाने योग्य बच्चों की संख्या, साक्षर लोगों की संख्या।

(2) गाँव की स्वच्छता (विशेषकर रोकी जा सकने वाली बिमारियों से सम्बन्धित) ग्राम–प्रशासन और ग्राम–पंचायत के बारे में सामान्य जानकारी रखें।

(3) अनवरत (निरन्तर) चलने वाली सेवाओं का विवरण प्रस्तुत करें, जैसे– साक्षरता, प्रौढ़ शिक्षा, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता, कृषि, श्रम कार्य, मद्यनिषेद, खेल आदि। ये सेवाएँ कम से कम छः माह तक फैली हो, अथवा कम से कम 15 दिन तक किसी मान्यता प्राप्त ''ग्राम श्रम शिविर'' में कार्य किया हो।

(4) कम से कम 50 लोगों को कुष्ठ–कीटाणुओं की जाँच करवाने में सहायता करें।

(5) कम से कम 20 बच्चों को रोग निरोधक टीके लगवाने में मदद की हों।

(6) न्यूनतम 6 माताओ को ''जीवन रक्षक घोल'' तैयार करने की विधि सिखलाए।

(7) अपने गाँव/मौहल्ले या कच्ची बस्ती में नेत्र–सुरक्षा, दंत–सुरक्षा अभियान का आयोजन करें।

(8) अपने पड़ोसियों को औरतों के अतिसार तथा पेचिश या पतले दस्त का सही उपचार करवाने व सही देखभाल करने के लिए शिक्षित करें।

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	दिनांक	स्थान
कब/स्काउट/गाइड/फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स	01 – 07 दिसम्बर, 2021	जिला/मण्डल
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	21 – 25 दिसम्बर, 2021	आबूपर्वत केन्द्र नं.1
रोवर मूट/रेंजर मीट	26 – 30 दिसम्बर, 2021	झुन्झुनू
जिला स्तरीय एडवेंचर गतिविधियां	28 – 30 दिसम्बर, 2021	जिला स्तर पर
दिव्यांग/अनाथालय/ग्रामीण गतिविधियां	31 दिसम्बर, 2021 तक	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर
जनजाति गतिविधियां	31 दिसम्बर, 2021 तक	जिला/मण्डल स्तर
डेजर्ट ट्रेकिंग	17 – 21 जनवरी, 2022	जैसलमेर
जनजाति अमृत महोत्सव	17 – 21 जनवरी, 2022	बांसवाड़ा
गाँधी दर्शन सप्ताह	24 – 30 जनवरी, 2022	समस्त स्तर पर
रेंजर समागम	27 – 31 जनवरी, 2022	जगतपुरा, जयपुर
राज्य स्तरीय गाँधी दर्शन समारोह	31 जनवरी, 2022	जयपुर

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
Assistant Leader Trainers Course (Guide Wing)	04-10 December, 2021	NTC, Pachmarhi (M.P.)
Scouts of World Award Discovery Workshop (under Messengers of Peace)	04-08 December, 2021	Bangaluru, Karnataka
National Level Service Camp (Rovers & Rangers)	07-13 December, 2021	NYC, Gadpuri, Haryana
Scouts of World Award Discovery Workshop	16-20 December, 2021	NTC, Pachmarhi (M.P.)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
27th Asia Pacific Regional Scout Conference	15-16, 18-19, 21 Feb.2022	Virtually
10th Asia Pacific Regional Scout Youth Forum	09-10, 12-13 Feb. 2022	Virtually
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

प्रशासन गांवों व शहरों के संग अभियान

अलवर में प्रशासन गांवों के संग शिविर में
सेवा देते स्काउट गाइड

प्रशासन गांवों के संग अभियान में सेवा को तत्पर
सीकर के स्काउट्स

बघाना ग्राम पंचायत में प्रशासन गांवों के संग
अभियान में सेवा स्काउट गाइड

प्रशासन गांवों के संग अभियान में सेवा
देते हुए जयपुर के स्काउट्स

प्रशासन गांवों के संग अभियान में सेवा देते हुए
रामगंजमंडी के स्काउट्स

सरदार नगर, भीलवाड़ा

प्रशासन गांवों के संग अभियान में सेवा देते हुए
नवांशहर, नागौर के स्काउट गाइड

गांधी हेल्प डेस्क, नागौर

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी.जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स प्रीमियर प्रिन्टिंग प्रेस, 12 रामनगर, हवा सड़क, सोडाला, जयपुर-302019 फोन : 0141-2294887, 2295097 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन :0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com